वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन वर्ष

2022. 2023

ANNUAL REPORT
2022-2023

Jan Kalyan Sewa Sanstha Nerwa
V.P.O Nerwa, Tehsil Chopal,
District Shimla H.P. 171210
Mobile : 9418064733, 9816733403

जन कल्याण सेवा संस्था नेरूवा
गाँव व डाकघर नेरूवा, तहसील चौपाल
जिला शिमला, हि0प्र0 – 171210
email: jkss6299@gmail.com

संस्था का परिचय :-

जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा एक गैर राजनीतिक, धर्म –निरपेक्ष , सामाजिक एव ं स्वैच्छिक संस्था है। जो कि पंजीकरण सभाएं अधिनियम 21 के 1860 के अर्न्तगत पंजीकृत है। संस्था की स्थापना वर्ष 1999 में जिला शिमला के विकास खंड चौपाल में जनहित के कार्य करते हुए की गई है संस्था का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश है। हमारी जन कल्याण सेवा संस्था वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेश के दो जिलों मे ं वर्ष 2013 से आज तक जिला शिमला व जिला सिरमौर में सम्पूर्ण स्वच्छता पेयजल मिशन पर कार्य कर रही है। संस्था हिमाचल के 5 जिलों मे ं कार्य कर रही है :–

जिला का नाम	विकास खण्डों के नाम					
शिमला	चौपाल	ठियोग	रोहड़ू	जुब्बल कोटखाई	चिड़गांव	(डोडरा क्वार)
सिरमौर	शिलाई	पांवटा साहिब	संगड़ाह	सराहा ं	राजगढ़	नाहन
किन्नौर	सांगला	पुह	निचार	काल्पा		
कुल्लू	निरमंड	बंजार	कुल्लू	नगर	आनी	
सोलन	कंडाघाट	अर्की	कुनिहार	नालागड़	धर्मपुर	बददी

संस्था का उद्देश्य:-

- स्वास्थ्य
- शिक्षा,
- जागरूकता,
- पर्यावरण सुरक्षा
- बेरोजगार नवयुवक/युवतियों को स्वावलम्बी के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण देना।
- बेरोजगार नवयुवक/ युवतियों को आत्म–निर्भर बनाने के लिए आधुनिक तकनीकियों एवं उपलब्धियों की जानकारी हासिल करवाकर अमीर व गरीब की खाई को न्यूनतम करना।
- महिला मण्डल एवं नव युवक/युवति संगठन को सशक्त बनाना।
- हर वर्ग व जाति समुदाय का उत्थान करना।
- वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित खेती व बागवानी को बढ़ावा देना
- किसानों की समस्याओं का निवारण करना।
- समाज में व्यापत असमाजिक कुरितीयों को शिविर के माध्यम से दूर करने का प्रयास करना।
- समाज में बढ़ रहे नशखोरी से नौजवानों को बचाना ।

संस्था की गतिविधियाँ:

- संस्था शिमला, सोलन, किन्नौर, कुल्लू तथा सिरमौर जिले के विभिन विकास खण्डों में कार्य कर रही है एवं सभी विकास खण्डो ं मे संस्था के द्वारा नियुक्त खण्ड समन्वयक अपने–अपने विकास खण्डो ं में सभी गांव व पंचायतों में ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता कमेटीयों का गठन करती है तथा प्रत्येक गांव व पंचायतों मे सभी पानी के स्त्रोतों कुओं चष्मों, नदी, नालों और तालाबों व पानी के बडे भण्डारण टैंकों को भी समय–समय पर

जांच करते हैं। दोनो ं जिलों के खण्ड समन्वयक प्रत्येक गांव व पंचायतों के सभी स्कूलों, आंगनवाडी केन्द्रों, स्वास्थ्य विभागों व अन्य सभी विभागों और पंचायत के प्रतिनिधियों तथा वार्ड मैम्बरों तथा प्रत्येक सदस्यों को पानी की पूर्ण स्वच्छता व शुद्ध गुणवता तथा उचित रख रखाव की जानकारी, हर बदलते मौसम से पहले व बाद में समय–समय पर दी जाती है। जन कल्याण सेवा संस्था ज्यादातर इन दोनो ं जिलों मे ं शिमला व सिरमौर में हरेक ब्लॉक खण्डों, प्रत्येक पंचायतों तथा गांव में गरीब वर्ग के लोगों व बेसहारा बच्चों तथा 60 वर्ष से अधिक आयु व बहुत ही गरीब व पिछडा वर्ग के लोगों को हम विशेष मदद की योजना के तहत इन पात्र सदस्यो ं को संस्था मदद करना चाहती है। जिस कार्य को संस्था कुछ ही दिनो ंमे ंशीघ्र ही पूरा कर देगी।

- बेरोजगार नवयुवक और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि व बागवानी पर नए–नए वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित खेती व बागवानी पर केंद्रित करने के लिये

गांव –गांव में जाकर जागरूकता प्रसार शिविर लगाने का कार्य करती है।

संस्था बेरोजगाार युवक व युवतियो ं को आत्म निर्भर करने का कार्य कर रही है। बदलते आधुनिक तकनीकियों एवं उपलब्धियों की जानकारी हासिल करवाकर अमीर व गरीब की खाई को न्यूनतम करना है।

संस्था का विचार है कि जो बेसहारा व विकलांग बच्चें है

- उनके लिए संस्था सरकार के माध्यम से विशेष सहायता करेगी तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वृद्धों गरीबों व असहाय पात्र सदस्यों के लिए संस्था सरकार के माध्यम से विशेष मद्द करना चाहती है ताकि विशेष असहाय व गरीब जरूरतमंदों की सहायता की जा सके।

▪ वर्तमान समय में संस्था अधिकांश कार्य हिमाचल प्रदेश के पांच जिलों मे ं(जिला शिमला, किन्नौर, सोलन, कुल्लू व जिला सिरमौर मे ं) पूर्ण स्वच्छता अभियान पर कार्य कर रही है। जिला

शिमला, सोलन, सिरमौर के विभिन स्कूलों, गाँव, पंचायतो ं और आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा अन्य सभी विभागों में कमेटियों का गठन किया गया तथा विभिन्न स्कूलो ं तथा विभागों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जागरूकता प्रसार शिविरों में लोगों को जल स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। विभिन पंचायतों में मीटिगों में पानी जांच किट के माध्यम से लोगों को पानी की जांच करने बारे प्रशिक्षित किया गया।

▪ सभी गांव व पंचायतो ं के सभी सदस्यों को पीने के पानी की उत्तम गुणवता के बारे में जॉच पडताल की ट्रेनिंग दी जाती है। यह ट्रेनिंग सभी गांव व पंचायतो ं में आंगनबाडी केंद्रों, स्कूलों व अन्य सभी सरकारी विभागों में दी जाती है। इस ट्रेंनिंग में पीने के पानी का सही इस्तेमाल व रख रखाव के बारे में लोगों को मौखिक रूप से व नुक्कड नाटक के माध्यम से सभी बच्चों व

लोगों को जागरूक किया जाता है। हिमाचल प्रदेश पहाड़ी क्षेत्र होने के नाते यहां से पानी के विशेष स्त्रोत उत्पन्न होते हैं जिस पर हिमाचल प्रदेश व भारत के बहुत सारे राज्य निर्भर हैं। इसलिये इन सभी पानी के स्त्रोतों, चष्मों, कुंओ तालाबों व नदी, नालो ं को दूषित होने से बचाया जा सके। ताकि सभी को स्वच्छ व साफ जल पीने को मिल सके ताकि स्वच्छ जल पीने से सभी लोगों को अच्छा स्वास्थय का लाभ मिल सके।

▪ हिमाचल प्रदेश का यह क्षेत्र जिला शिमला सोलन, किन्नौर, कुल्लू व जिला सिरमौर भौगोलिक दृष्टि से बहुत पिछड़े क्षेत्र है। पहाडी क्षेत्र होने के कारण यहां यातायात की उचित व्यवस्था नही ं है। स्वास्थ्य सेवाएं की उचित तकनीक व अच्छी शिक्षा प्रणाली

की व्यवस्था विकसित नही ं है। इन क्षेत्रों के लोगों का मुख्य व्यवसाय खेतीबाड़ी व पशुपालन है। इन क्षेत्रों की खेती विशेषकर वर्षा पर निर्भर करती है। सिंचाई की कोई भी व्यवस्था नही ं है। संस्था का कार्य क्षेत्र की समुद्र तल से ऊंचाई 4 हजार फुट से लेकर 12000 फुट तक की ऊंचाई वाले पहाड़ी में बसा है। यहा ं पर जून माह से लेकर सितम्बर माह तक वर्षा होती है और नवम्बर से लेकर अप्रैल तक बर्फ पड़ती है। जिसके कारण यहा ं अन्य क्षेत्रों से यातायात सम्पर्क टूट जाता है ।

- हिमाचल प्रदेश का यह क्षेत्र जिला शिमला सोलन, किन्नौर, कुल्लू व जिला सिरमौर तथा हिमाचल प्रदेश के पडोसी राज्यों के प्रत्येक विकास खंड के हर एक गाँव में महिलाओं पुरुषो, युवकों और युवतियों के लिए जागरूकता अभियान के तहत स्वास्थ्य और स्वयं सहायता प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैंप लगाना जिसमे महिलाओं को जरुरत की सामग्रियां बनाना सिखाना और व्यक्तिगत स्व्चता को केसे बनाये रखना है उसके बारे में प्रशिक्षण देना और सधाहरण बीमारियों की कैसे घर में रोकथाम की जा सके उसके बारे में प्रशिक्षण देना और नशे के सेवन से हो रही बारबाद जिंदगियों को बचाने के लिए प्रशिक्षण देना और महिलाओं की व्यक्तिगत समास्याओं के बारे में प्रशिक्षण कैंप लगाना हर गाँव में महिला समूह बनाना जिससे महिलायें सशक्त हो सके और पैसे की बचत कर सके ।

- **कार्य क्षेत्र की समस्या :-** मुख्यतः इस पहाडी क्षेत्र में मिली–जुली संस्कृति देखने को मिलती है इस क्षेत्र में परम्परा व रीति–रिवाजों सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न है वही ं दूसरी ओर अन्धविश्वासों जैसे– जाति–पाति, बाल–विवाह, दहेज प्रथा, नशाखोरी जैसी अनेक समस्याऐं विद्यमान है जिसके कारण विकास की प्रक्रिया में लोगों को जोड़ना मुश्किल होता है इसके साथ शिक्षा स्वास्थ्य यातायात जैसी मूलभूत सुविधाओं की दूर दराज क्षेत्रों में काफी अभाव है। लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व पशुपालन है कुछ क्षेत्र में लोगों की आजिविका बागवानी पर निर्भर है लोग कृषि का कार्य अभी तक परम्परागत तरीके से ही करते हैं अधिकतर खेती वर्षा पर निर्भर करती है।

वर्ष के दौरान कार्यक्रम की गतिविधियाँ :-

संस्था द्वारा विगत वर्ष 2022...2023 में नम्नलिखित गतिविधियो ं का सफल संचालन किया गया है:–

- महिला मंडल का संचालन
- नव युवक मण्डल का संचालन
- नये स्वयं सहायता समूह गठन करना
- अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन
- दक्षता निर्माण गतिविधिया ं
- महिला एवं युवतियो ं का` सिलाई–कढ़ाई तथा बुनाई का प्रषिक्षण देना
- डा0 भीमराव अम्बेदकर जयंती का आयोजन करना
- चिकित्सा स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता **शिविरों** का आयोजन करना
- राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान
- महिला जागरूकता अभियान
- संक्षिप्त पाठयक्रम का संचालन
- नर्सरी उगाना और वृक्षरोपण करना
- अक्षम **विशेष** आवासीय विद्यालय एवं अनाथालय का संचालन
- पानी की उत्तम गुणवता तथा जल जांच **शिविर**
- फल और सब्जीयों का प्रोसेसिंग ट्रैनिंग **शिविर**
- गरीब वृद्ध पुरूष महिलाओं के उत्थान के सहयोग के लिए **विशेष** सर्वे

उपरोक्त पाठयक्रमों का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है:–

संगठनात्मक गतिविधियाँ:–

आमतौर पर यह देखने को मिलता है कि ग्रामीण लोग अपने कार्य में इतने व्यस्त हो जाते कि उन्हे ं पता ही नहीं होता कि उनके आस–पास क्या घटित हो रहा है? उन्हें इसकी सूचना तक नही ं होती लेकिन ग्रामीण लोग इसके बारे में इतने अनभिज्ञ रह जाते है कि उन्हें इन कार्यक्रमों का पता ही नही ं चलता और पता लग भी जाए तो उसकी पूर्णरूप से जानकारी नही ं होती या तो कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत जानकारी हासिल होती है जिसका समय रहते ग्रामीण उचित लाभ से वंचित रह जाते हैं। जिससें क्षेत्र के विकास पर बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ता है।

उपरोक्त स्थिति को मध्य नज़र रखते हुए संस्था विकासीय कार्यक्रमों का सुचारू रूप से चलाने बारे उन्हें जानकारी तथा विभिन्न विभागीय प्रषिक्षण करती रहती है ताकि सभी ग्रामीण उचित समय पर संचालित योजनाओं का लाभ उठा सके और अपना विकास कर क्षेत्र को समृद्ध बनाने में अग्रसर हो सके।

महिला मण्डलों का समुचित रूप से संचालनः–

वभिन्न क्षेत्रों की ग्रामीण महिला को कड़ी से जोड़ने व विकासात्मक कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए समुहों के रूप में संगठित कर उन्हे विकास के कार्यक्रमों में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है ताकि लोग विकासीय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। इस समय संस्था

लगभग 460 महिला मण्डलों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। प्रत्येक माह की मासिक सभाओं में संस्था के कार्यक्रमों की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाती है। महिला मण्डलों की नियमित रूप से बैठकें आयोजित की जाती हैं। बैठक में महिलाएं अपनी समस्याओं को सामने लाती है और समस्याओं के समाधान हेतु सही **दिशा निर्देशन** तथा विषय हेतु रूप–रेखा तैयार करने में संस्था के कार्यकर्ता उनका सहयोग करते हैं। विभिन्न महिला मण्डलों एवं समूहों को विभिन्न बैंको से लिंक करवाया गया है और बहुत से महिला मण्डलों को विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत बैंकों से ऋण प्रदान करवायागया है जिससे

महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ी है और अपने घरों को चलाने में सक्षम साबित हुई है।

.युवक मण्डलों का संचालनः–

जन कल्याण सेवा संस्था ने जिला शिमला के 5 विकास खंड जिला किन्नौर के 2 विकास खंड कुल्लू के 4 विकास खंड और जिला सोलन के २ विकास खंड और जिला सिरमौर के 2 विकास खंडो में नव युवक मंडलों जिनका गठन पहले से हुवा है तथा कुछ नवयुवक मंडल का गठन संस्था के द्वारा किया गया और उन सभी संगठन को नशा मुक्ति के बारे में जागरूक किया सभी पंचायतों में युवक मण्डलों का गठन किया है जोकि अपनी

पंचायत क्षेत्र में सभी समस्याओं से जुड़ने के लिए संस्था का सहयोग करते हैं संस्था इन युवाओं के अपनी बैठक में भी बुलाती है और इनका मार्ग दर्शन भी करती है। संस्था बेरोजगार युवकों को स्वभिलम्बन बनने के लिए प्रेरित करती हैं ताकि युवक अपना रोजगार कर सकें और अपने परिवार का भरण पोषण कर सके ं । अभी हर पंचायतों में हमने कम से कम 140 नव युवको मण्डलों का गठन किया आने वाले समयों में बहुत सारे नवयुवकों के साथ मिलकर कार्य करेगी

नये स्वयं सहायता समूह का गठन करना :-

आज के समय में बचत की सभी को आवश्यकता है खास कर ऐसे परिवार को जोकि आर्थिक रूप से पिछड़े है। गरीब महिलाओं के लिए बचत अपनी उपयोगिता है क्योंकि जब कोई भी मुसीबत आ पड़ती है तो गरीब महिलाएं ही उसकी सबसे अधिक शिकार होती है गरीबी से भी महिलाएं पुरूषों के मुकाबले घर तथा परिवार के लिए ज्यादातर जूझती है ऐसी स्थिति में अगर महिलाओं के पास थोड़ी बहुत बचत हो तो उसके लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होती है राजनीतिकरण की वजह से ग्रामीण लोग अपने सभी उपयोगी कार्यक्रमों हेतु सरकार के उपर बोझ बनती जा रही है इस

समस्या का एक मात्र उपाय ग्रामीणों को एकत्र कर उनकी सोच में परिवर्तन लाने हेतु समूहों मे गठित करना है। इस उद्वेष्य की पुर्ति हेतु संस्था ने यह निर्णय लिया है कि नये स्वयं सहायता

समूहों का गठन करना अति **आवश्यक** है जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता संभव हो सके। संस्था सभी समूहों की बैठक बुलायेगी और सभी समूहों की आपसी प्रतिस्पर्धा करवायेगी उन्हें पुरस्कृत करेगी ताकि वह महिलाएं समूह के प्रति अपनी लग्न न छोड़े। संस्था विकास खंड चौपाल, रोहड़ू, चिडगांव, डोडर क्वार, ठियोग व जुब्बल में नये स्वयं सहायता समूहों का गठन करके उनकी सहबद्धता और रिफ्रैषर कार्यक्रम हेतुनाबार्ड बैंक से सम्मानित करवाया जाएगा। संस्था ने अभी तक लगभग 240 स्वयं सहायता समूह का गठन किया है वर्ष 2023 में लगभग 720 नये स्वयं सहायता समूहों का गठन करेगी तथा संस्था जिला स्तर पर स्वयं सहायता समूह के नेटवर्क का कार्य करेंगी।

अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस:-

अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस 2022–23 में जिला शिमला के ब्लॉक छौहारा (चिडगाँव) में मनाया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.डी.सी. सदस्य श्री देस राज जी श्री मीर सुख आनद जी अध्यक्ष छौहारा खंड कोली समाज ने की। जिसमें छौहारा खंड की सभी माहिलामंडल

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं तथा सुपरवाईजर और पंचायतों की प्रधान एवं लगभग 341 महिलाओं व पुरूषों ने भाग लिया। तथा संस्था ने जल पान का आयोजन भी किया और महिलाओं को आगे मजभूति के साथ बदने के लिए प्रोत्साहित किया

दक्षता निर्माण गतिविधिया :–

बेरोज़गारी की बढ़ती हुई संख्या से जहां देश व प्रदेश सरकार चिंतित है वही ं पढ़े लिखे युवा वर्ग भी इस बढ़ती हुई समस्या के समाधान से निकालने में असमर्थ व हतोत्साहित हो रहे हैं इस समस्या के समाधान के लिए एक उपाय है कि पढ़े–लिखे युवा वर्ग को स्वरोजगार हेतु प्रषिक्षण व प्रोत्साहित किया जाना अति जरूरी है। संस्था द्वारा इसी समस्या के समाधान हेतु ग्रामीण महिलाओं, युवक/युवतियों को विभिन्न सरकारी विभागों के अन्तर्गत व्यवसायिक एव ं तकनीकि प्रषिक्षण दिलाए जायेंगे।

डा0 भीमराव अम्बेदकर जयन्ती का आयोजन करने बारेः–

भारत रत्न व महापुरूष डा0 भीमराव अम्बेदकर की जयन्ती संस्था हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी १४ अप्रेल २०२२ को जिला शिमला के बिकास खंड चौपाल के स्थान नेरवा में आयोजित किया गया संस्था ने इस जयंती के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बलबीर सिंह वर्मा M.L.A. निर्वाचन क्षेत्र चौपाल को आमंत्रित किया गयैस समारोह में लग- भग 1200 लोगों ने भाग लिया मुख्यतिथि ने अम्भेद्कर की जीवनी पर प्रकाश डाला कि डा. भीम राव अम्भेद्कर ने

किस परिस्तिथि में पड़ाई की अम्भेद्कर ने समाज में फैली कुरूतियों जैसे छुआ छुत महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय के लिए आधुकारों की लड़ाई लड़ी जि

समे वे कामीयाब हुए और बाबा साहब के तीन मूल मन्त्र शिक्षित बनो , संगठित बनो और संगर्ष करो के आधार पर समाज में आज भी व्य्याप्त सामाजिक असमानता एवं सामाजिक बुराई को इन प्रयासों से दूर किया जा सकता है बाबा साहब ने कहा था कि शिक्षा उस शेरनी का दूध है जो भी पिएगा वो धाडेगा बाबा साहब ने भारत का संविधान रच कर ये साबित कर दिया कि वो भारत के पहले विद्वान थे और दुनिया के पांचवे नंबर के विद्वान थे संस्था इस प्रकार के कार्यक्रम के लिए भविष्य में भी आयोजन के लिए प्रयास करती रहेगी

स्वास्थय शिक्षा शिविर और गाँव के लोगो को जागरूक अभियान का आयोजन करने बारेः–

जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा को FCRA के तहत village transform company संयुक्त राष्ट्र अमेरिका द्वारा स्वस्थीय शिक्षा शिविरों और जागरूक आभियान के लिए संस्था को धन राशि प्रदान की गई जिसके तहत संस्था ने पांच जिलों में (शिमला ,सिरमौर, सोलन, कुल्लू, किन्नौर इतियादी जिलों में नशा निवारण, स्वस्थ्य शिक्षा (comunityHealth education) एवं जागरूकता शिविर लगाये गए संस्था के द्वारा उन क्षेत्रों में शिविर का आयोजन किया गया जंहा नशा चरम सीमा पर है जिसका असर सबसे ज्यादा नौ जवान युवक और युतियों पर पड़ रहा था ये नशे का प्रभाव उनके पड़ाईपर पड़ रहा था युवक और युतियाँ पढाई छोड़ने पर मजबुर हो रहे थे संस्था ने जागरूकता शिविर को हिमाचल प्रदेश के पांच जिलों में जेसे कि - जिला शिमला में छः जागरूकता शिविर और जिला सिमौर में तीन जागरूकता शिविर, जिला सोलन में दो जागरूकता शिविर , जिला किन्नौर में पांच जागरूकता शिविर, जिला कुल्लू में पांच जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया जिसमे लगभग 750 महिलाएं व् पुरुष तथा युवक और युवतियों ने अलग -अलग समय में भाग लिया प्रशिक्षण के दौरान जब प्रशिक्षक ने जब उन्हें नशे के दुष्परिणाम व् नशे के सेवन से होने वाले भयंकर रोगों व् नए युवको और युतियों पर पड़ने वाले मानसिक प्रभाव व् उसके बचाओ के भारे में भिन -भिन उधाहरण एवं प्रोजेक्टर स्क्रीन के माध्यम से वीडियो एवं फोटो दिखा कर प्रत्येक

जागरूकता शिविरों में उनका ध्यान केन्द्रित किया तथा उन्हें ये जानकारी दी गई कि आपको आगे अपने गाँव एवं प्रत्येक घर व् पंचायतों में जा

कर दुसरे सभी लोगो को नशा छोड़ने व् इसके सेवन के भयानक दुष्परिणाम बारे में अन्य लोगों को भी जागरूक करे ।

जिन प्रशिक्षण कर्ताओं ने संस्था के प्रशिक्षण जागरूकता शिविर में प्रशक्षण प्राप्त किया उसके बाद उहोने अपने घर गाँव एवं पंचायतों में महिलाओं पुरुषों व् युवक युवतियों को नशे के खिलाप और

इसके होने वाले दुष्परिणाम आने वाली पीड़ियाँ को नशे से बचने के लिए लोगो को नशा निवारण के भिन्न - भिन्न उधाहरण दिए जिसके परिणामस्वरूप लग भग 2200 लोगो जानकारी प्रदान की गई जन कल्याण सेवा संस्था आने वाले वर्ष में लग भग 7000 लोगो तक पहुँचने का प्रयास करेगी तथा नशा निवारण के बारे में नए उधाहरण के साथ जागरूकता अभियान चलाने का प्रयास करेगा जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश के चिन्हित स्कूलों एवं कॉलेज तथा गाँव व् पंचायतों में जागरूकता प्रक्षिक्षण शिविरों का आयोजन करेगी जससे कई अनमोल जिंदगियां बचाई जा सकेगी ।

जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा ग्रामीण सर्वेक्षण करना :-

जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा ने वर्ष 2022-23 में हिमाचल प्रदेश में FCRA धन राशि के तहत

12 जिलों में ग्रामीण सर्वेक्षण किया यह धन राशि जन कल्याण सेवा संस्था को ग्रामीण सर्वेक्षण के लिए फिलिपियाँ देश से प्राप्त हुई यह ग्रामीण सर्वेक्षण हिमाचल प्रदेश के

78 विकास खण्डों में पूरा किया गया यह ग्रामीण सर्वेक्षण हिमाचल

प्रदेश के भोगोलिक परिस्तिथि दशा व् दिशा खान पान रहन सहन व्

शिक्षा प्रणाली और गाँव के रीती रिवाज और गाँव की समस्याओ जैसे कि शिक्षा ,सड़क, स्वस्थ्य, बिजली, पानी, हर घर में शोचालिय, रोजगार, खेती- बाड़ी ग्रामीणों के अपने स्वरोजगार इतियादी के बारे में सर्वे किया गया कि प्रत्येक घर व् गाँव में कितने लोग शिक्षित है और कितने लोग सरकारी नौकरी में है व् कितने लोग प्राइवेट नौकरी में है और कितने लोग अपना व्यवसाय व् व्यापार कर रहे है

तथा कितने लोग खेतीबाड़ी व् बागवानी कर रहे है और कितने लोग बेरोजगार घर में बैठे है और संस्था ने ये भी सर्वे किया कि प्रत्येक गाँव व् पंचायत और विकास खंडो में कितने स्कूल कॉलेज और आस्पताल खुले है तथा कितने घरों में नल से जल आ रहा है और प्रत्येक घरों में शोचालय व् सोखता गड़े बने है या नहीं इनका सर्वे संस्था ने किया संस्था सर्वेक्षण कार्यकर्ताओं ने हर घर व् गाँव में इस सर्वेक्षण के बारे में अवगत कराया और उसकी जानकारी अपने रिकॉर्ड में प्राप्त की ताकि संस्था आने वाले समय में उनकी समास्याओं को लेकर

उनको प्रशिक्षित करती रहेगी ताकि आने वाले समय में वंहा के बेरोजगार युवक और युवतियां अपनी समास्याओं को लेकर अपने आप सक्षम हो सके और संस्था आने वाले समय में बेरोजगारों की समास्याओं को लेकर समय -समय पर प्रशिक्षण जागरूकता शिविर लगाएंगी ।

महिला जागरूकता प्रसार शिविर का आयोजन करने बारे :-

जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने व उन्हें अपने अधिकारों कर्तव्यों के बारे में जानकारी देने व् विकासीय कार्यक्रमों में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका तथा सरकारी विभागों की विकासीय योजनाओं इत्यादि की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाती है इस उदेश्य के

लिए संस्था ने जिला शिमला के पिछडे क्षेत्र चौपाल विकास खण्ड व् रोहड़ू विकास खंड जैसे कि ननहार, टिक्करी, किरण, खुंदनेवल, मानुभाविया, बागमंजोली, कुलग, कुपुई, पौडिया, मुंडली, भरानु व् नेरवा इतियादी तथा विकास खंड रोहड़ू चिडगाँव के थाना, पेखा,

जांगला, गोंसारी, भौम्फड, कलोटी, रोहल, डीस्वानी, डाक गाँव, बाशला, भलुन्न, दलगांव, क्रालाश, टिककर इतियादी पंचायतों में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया । जिसमें संस्था ने स्त्रोत व्यक्ति के माध्यम से इन्हे ं कई प्रकार की जानकारी प्रदान की। इसमें महिला संरक्षण दहेज प्रथा, नशा निवारण एच. आई. वी. एड्स महिला को कानूनी सहायता पर, पर्यावरण प्रदूषण रोकने पशु पालन व कृषि विकास और बागवानी से संबंधित तकनीकियों के बारे में जानकारी दी गई। महिला को पूर्ण जागरूकता मिलने पर कुछ घर की स्वतंत्रता मिलनी बहुत आवश्यक है। तब महिला बिना आरक्षण के भी पुरूषों से आगे बढ़ सकती है। महिला परिवर्तन होने से देश को नई दिशा मिल सकेगी।

नर्सरी उगाना व पौधरोपण करनाः–

संस्था फरवरी 2010 से हर वर्ष टिक्करी किरण, थरोच, नेरवा इतियादी जगहों मे ं नर्सरी की बिजाई का कार्य करती है। जिसमें संस्था द्वारा नर्सरी की क्यारियों में देवदार, चुली, अखरोट व कैंथ की बिजाई की जाती है जिसकी पैदावार बहुत अच्छी हो रही है। संस्था वर्ष 2022-23 में जनवरी व फरवरी में 3500-4000 वृक्षरोपण किया गया है। जिसमें 22 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने कार्य किया जो कि पिछडे क्षेत्रों में बहुत बड़ी उपलब्धि है नर्सरी की सिंचाई के लिए टैंक का निर्माण किया गया। नर्सरी उगाने व वृक्षरोपण के कार्य संस्था हर वर्ष करती है। संस्था प्रत्येक वर्ष वन महोत्सव मनाती है और 2000 से लेकर 7000 तक वृक्षों का रोपण करती है।

अक्षम विशेष आवासीय विद्यालय का संचालनः–

संस्था जिला शिमला के दूर दराज के क्षेत्र में विकास खण्ड चौपाल के नेरवा में विकलांग व अनाथ बच्चों का आवासीय विद्यालय चलाया गया था। संस्था की देख – रेख विद्यालय में उस समय 81 अपंग व अनाथ बच्चों ने शिक्षा ग्रहण की थी । जिसका खर्चा संस्था दान मांग कर व कुछ मद्द डेरा बाबा रूद्रानन्द जी महाराज ऊना सेवक मण्डल शिमला द्वारा सहयोग दिया गया। संस्था इस कार्य को सुचारू रूप से चलाने की इच्छुक है। संस्था का भवन आवासीय कालॉनी किचन व शौचालय इत्यादि बनाने का विचार है यदि संस्था को सरकारी या गैर सरकारी संगठन से समुचित आर्थिक मदद मिल सके संस्था इस अनाथ- विकलांग व् मानसिक रोगी इतियादी बच्चों का आवासीय विद्यालय दुबारा से शुरू करेगी ।

संस्था द्वारा वृद्ध आश्रम की योजना :-

जन कल्याण सेवा संस्था 60 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध असहाय व् गरीवी रेखा से निचे महिलाओं और पुरुषों के लिए वृद्ध आश्रम आवासीय भवन खोलना चाहती है

इसके लिए संस्था ने जिला सिरमौर के विकास खंड रेणुका जी व् मुख्यालय विकास खंड नाहन में जमीन चिन्हित की है और उस जमीं का वहां के स्थानीय लोगो ने गिफ्ट डीड तक दी है और जिला सिरमौर में आज तक एक भी विकलांग अनाथ व् आवासीय वृद्ध आश्रम नहीं है भोगोलिक परिस्तिथि से जिला सिरमौर बहुत ही गरीब क्षेत्र है वंहा कोई भी भगवानी व् कृषि के प्रयाप्त स्त्रोत नहीं है और वंहा सिंचाई के पानी की कोई भी सुविध नहीं लग -भग 60 -70 प्रतिशत सुखी जगह है इसलिए इस क्षेत्र की आय की आमदनी बहुत ही कम है जिसकी बजह से 60 वर्ष के ऊपर के लोगों को गरीबी की हालत में अपना जीवन यापन करना पड़ रहा है बिमारी की हालत में उन्हें गरीबी के कारण और पैसे के अभाव के कारण अपना जीवन सही से यापन नहीं कर सकते जिससे कई बार उन्हें जिन्दगी तक खोना पड़ता है जन कल्याण सेवा संस्था जिला सिरमौर में महिला और पुरुषो के लिए एक वृद्ध आश्रम व् विकलांग बच्चों के लिए आवासीय विधालय खोलना चाहती है जिससे असहाय महिलाएं व् पुरुषों तथा असहाय बच्चों को इस सुविधा का लाभ मिल सके तथा जन कल्याण सेवा संस्था ऐसे असहाय लोगों के लिए सहारा बन सके ।

जन कल्याण सेवा संस्था के पास अनुदान लेने के लिए **आयकर** विभाग भारत सरकार से 80 **-** जी प्राप्त करने का प्रमाण पत्र है जिसके **तहत** संस्था **दान प्राप्त करती है। यदि कोई सज्जन महापुरूष** या पूंजीपति या कंपनी **हमारी संस्था को दान करना चाहते हैं तो आप निम्नलिखित खाता संख्या में जमा कर सकते है जिसकी आपको संस्था के माध्यम से रसीद दी जायेगी**

फल व सब्जीयां प्रोसैसिंग ट्रैनिंग शिविर आयोजनः–

जन कल्याण सेवा संस्था ने विकास खंड चौपाल के नेरवा में फल एवं सब्जियों के उत्पादन और प्रोसेसिंग के बारे में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमे महिलाओं और पुरुषों को अच्छे किस्म की सब्जियां व् फलों का उत्पादन व् सेवन तथा सब्जी की प्रोसेसिंग के बारे में जानकारी दी गई कि कैसे फल और सब्जी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना है और इसकी खेती कैसे स्वयं करनी है और बच्चों को भी सब्जी खाने के लिए प्रोत्साहित करना है **जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा ने ये विकास खण्ड चौपाल के नेरवा में अनूसूचित जाति संगठन एवं कोली समाज की मदद से फल व सब्जियों की ट्रैनिंग शिविर शुरू किया।** और अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखते हैं। इस शिविर में परिवारों को आचार, मुरब्बा, सौस स्कैच, चटनी, पापड़ और अनेक प्रकार के किचन गार्डन व बैकरी से सम्बन्धित हर प्रकार का प्रषिक्षण ट्रैनिंग दी गई जिससे की बेरोज़गार **परिवार घर से डेली–नीड की आईटमज़ को तैयार कर सकते हैं और अपनी आमदनी का साधन बना सकते हैं।**

नोटः जन कल्याण सेवा संस्था चाहती है कि हर वर्ष इस प्रकार के 3– या 5 कार्यक्रम आयोजन किये जाये ताकि बहुत सारे बेरोजगार युवक व युवतियो आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

किसानों की समस्याओं का निवारण करनाः

संस्था किसानों के हर समस्याओं के समधान के लिए बैठकों का अयोजन करती रही है और सभी प्रकार की समस्याओं जैसे कि आवारा–नकारा पशुओं व जंगली जानवरों व तथा बीज, दवाई, सिंचाई टैंक, फव्वारे, स्प्रेयर मशीनें और सस्ती खादों को सरकारी विभाग से सब्सीडी पर दिलवाने के लिए संस्था गरीब व असहाय किसानों को जो कभी भी आज तक सरकारी सब्सीडी का लाभ नही ं उठा सके, उन्हें उपलब्ध करवाती है और उन्हें जागरूक भी करती है।

जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा प्रभावित एवं जरुरात्मदों की सहायता करना:- जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में लोगों को खाने पिने

की सामग्री उपलब्ध कराई गई जिससे गरीब व् पिछड़े वर्ग के लोगों की सहायता की जा सके पिछले समय में हिमाचल प्रदेश में बाड़ के कारण काफी लोगों ने समास्याओं का सामना किया और कई घर बेघर हो गए थे संस्था ने उनकी खाद्य सामग्री में सहायता की इसके साथ - साथ संस्था ने जिला शिमला के विकास खंड छोहरा में आग से जलकर घर के पीड़ित परिवार को भी सहायता राशि प्रदान की

समुदाय परिवर्तित कैंप (Community transformation camp)

जन कल्याण सेवा संस्था ने 2022-23 में **हिमाचल प्रदेश के पांच जिलों मे (जिला** शिमला, किन्नौर, सोलन, कुल्लू व **जिला सिरमौर मे**) सामुदायिक परिवर्तित कैंप भी लगाये जिसमे लोगों को सिखाया गया कि सामुदायों में लोगों के साथ कैसे सम्बन्ध स्थापित करने है उत्साहित करना है कि वे अपने सामुदाय में लोगो के लिए आदर्श बने जन कल्याण सेवा संस्था ने 5 सत्र में उन्हें प्रशिक्षित किया

1. लोगों से मिलना:- लोगो को और उनके साथ उनके सामुदायों को जानना, और उस सामुदायों में लोग क्या करते है उनका जीवन केसा चलता है क्या वे अपने बच्चों को स्कूल में पड़ा रहे या नहीं उनके जीवन यापन का क्या साधन है उसके बारे में जानकारी हासिल करना क्या आज भी लोग नशे में डूबे हुए है या नहीं हमने हर समुदायों से 30-40 लोगों को चुना तथा उन्हें 15 महीने तक प्रशिक्षित किया हर तीन महीने में 3 दिन के लिए उन्हें एक जगह पर इकठा किया

२. लोगो को बढाना :- जो 30-40 लोग हमारे पास पहले सत्र में आये थे उनके साथ दूसरा सत्र तीन दिन के लिए शुरू करना उनको सिखाना कि कैसे आप सामुदायों में लोगो को मजबुत और सशक्त बना सकते है तथा उनको आगे बढाने के लिए नए प्रशिक्षण केन्द्रों में भेजना उन्हें शिक्षित बनाने में उनकी मदत करना

3 लोगों को सदयता में जोड़ना :- उन 30-40 लोगो को सिखाना कि अपने गाँव में जा कर सामुदायों का ग्रुप बनाना तथा उन्हें सदस्य के रूप में लोगो को जोड़ना था वे ग्रुप जो सदस्यता लेगा वो नए सामुदायों को आगे बढाने के लिए अपना योगदान देगा

4 लीडर को नियुक्त करना :- संस्था इन्ही 30-40 लोगो मे से नए सामुदायों के लिए लीडर को तैयार करेगी जो आगे नए ग्रुप बना सके तथा तथा उन समुदायों में जागरूकता आभियान शुरू कर सके

5. बड़ोत्री :- संस्था इन्ही 30-40 लोगो से आगे नए लोगो की बड़ोत्री करेगी

संस्था ने उन लोगो के लिए तीन दिन के लिए रहने और खाने की व्यावस्था भी की

श्रम आभारः

विगत वर्ष के किए गए सफल प्रयासों के कार्यक्रमों में आयोजन हेतू संस्था निम्नलिखित सरकारी व गैर सरकारी विभागों तथा वितीय संस्थानों की आभारी है जिनकी वित्तीय सहायता व मार्ग दर्षन से हम अपने क्षेत्रों में कार्यक्रमों को सफल संचालन कर सकते हैंः–

संस्था का नाम	कार्यालय
राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण बैंक शिमला	शिमला
केंदीय हि प्र राज्य समाज कल्याण बोर्ड	दिल्ली /शिमला

हिमाचल प्रदेश महिला विकास निगम	सोलन
हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाती एवं अनुसूचित जन जाति का विकास सोलन निगम	
हिमाचल प्रदेश वाहिनी क्षेत्र सुधार परियोजना	शिमला
हिमाचल प्रदेश वॉलयट्रि हैल्थ एसोसिएशन न्यू शिमला	शिमला
राज्य विज्ञान प्रोद्योगिकी एवं पर्यावारण परिषद् व् परियावारण विभाग	शिमला / दिल्ली
भाषा एवं संस्कृति विभाग	दिल्ली
सिंचाई एवं जन स्वस्थ विभाग शिमला	शिमला
महिला एवं वाल विकास मंत्रालय भारत सरकार	नई दिल्ली
विलेज ट्रांसफोरमेशन	संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
सी सी ऍफ़	फिलिपियांस